निविदा मंगाने की सूचना

नाबार्ड

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड), अपनी वेबसाइट www.nabard.org के रखरखाव के लिए, वेबसाइट डिजाइन, वेबसाइट डेवलपमेंट और मेंटिनेंस, वेब लॉग कंसल्टिंग, ऑनलाइन मार्केटिंग, सर्च इंजिन मार्केटिंग और ऑप्टिमाइजेशन व सीआरएम कार्यों को डिजिटल माध्यम से करने में मान्यताप्राप्त और इच्छुक सेवादाता फर्मों/ कंपनियों से प्रस्ताव आमंत्रित कर रहा है. निम्नलिखित मानदंडों को पूरा करने वाले सेवादाता अलग-अलग मुहरबंद लिफाफों में अपनी तकनीकी और वित्तीय बोलियाँ श्री के.आर.नायर, महाप्रबंधक (जन संपर्क), नाबार्ड, सी-24, जी-ब्लॉक, बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400 0051 (टेलीफोन नं. 022-26539121, 022-26539746) को प्रस्तुत कर सकते हैं.

सेवादाता एक ऐसी कंपनी/ फर्म हो :

- जो कम से कम 5 वर्ष से अस्तित्व में हो.
- जिसे इंटरेक्टिव फीचर्स युक्त बड़ी वेबसाइटें होस्ट करने और उनका रखरखाव करने का अनुभव हो तथा जिनका औसत टर्नओवर अच्छा हो.
- जो अन्य बड़ी राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को इसी तरह के कार्यों के लिए सेवा उपलब्ध करा रहे हों. बैंकिंग संस्थाओं के साथ काम करने का अनुभव प्राप्त संस्थाओं को तरजीह दी जाएगी.

संपूर्ण विवरण और तकनीकी व वित्तीय बोली के लिए प्रारूप हमारी वेबसाइट www.nabard.org में टेंडर नोटिस के अंतर्गत उपलब्ध हैं.

बोली की प्रस्तृति की अंतिम तारीख 25 फरवरी 2010, 16.00 बजे तक

<u>नाबार्ड वेबसाइट www.nabard.org के वार्षिक रखरखाव के लिए विनिर्देशन</u>

नाबार्ड की वेबसाइट प्राथमिकत: अपने लक्ष्य समूह के बीच सूचना प्रसारित करने का कार्य करती है.

वेबसाइट का लक्ष्य समूह (निदर्शी)

- सरकारी निकाय
- वित्तीय संस्थान/ बैंक
- विदेशी एजेंसियाँ
- ग्रामीण जनता
- कृषि संस्थान
- गैर सरकारी संगठन
- उपभोगता
- नाबार्ड बॉण्ड्स के निवेशक, सूचना प्राप्त करने हेतु
- मीडिया
- शोधार्थी
- आंतरिक स्टाफ-सदस्य

1) <u>कार्य विवरण</u>

क. **दैनिक गतिविधि** - रखरखाव अर्थात् हिन्दी रूपांतर सहित नाबार्ड की वेबसाइट (www.nabard.org) का अद्यतनीकरण.

ख. **सामग्री अद्यतनीकरण -** नाबार्ड द्वारा एजेंसी को एमएस वर्ड/ एमएस एक्सेल फॉर्मेट में भेजी गई सामग्री को दैनिक आधार पर परिवर्तित करना और वेबसाइट अपडेशन/ परिवर्तन विकास/ अपलोडिंग/ मूविंग/ वेबपेजों/ लिंकों को हटाना आदि कार्य करना. वेबसाइट की सामग्री का रखरखाव/ उसमें जोड़ना/ सामग्री (स्थाई व अस्थाई) और ग्राफिक्स आदि का अद्यतनीकरण करना.

ग. **सृजनात्मक** - वर्तमान साइट की समग्र संरचना/ डिजाइन की सीमा में रहते हुए उसमें सृजनात्मक परिवर्तनों को अंजाम देना. .pdf अथवा ओपन फॉर्मेट में प्रेषित सामग्री से नाबार्ड की वेबसाइट के लिए बैनर इत्यादि बनाना.

घ. संपर्क डेटाबेस - संपर्क विवरणों में किसी प्रकार के परिवर्तन यथा विभागाध्यक्षों, क्षेत्रीय कार्यालयों के कार्यपालकों, जिला विकास प्रबंधकों के पतों/ टेलीफोन नंबरों, पते में परिवर्तन करना.

ङ. डाटाबैंक का रखरखाव - मासिक आधार पर डाटा स्ट्रक्चर की इंडेक्सिंग और ट्यूनिंग करना.

च. दैनिक/ साप्ताहिक आधार पर वेबसाइट की पहुंच व उपयोगिता की जाँच करना.

2) <u>प्लैटफार्म और डेटाबेस</u>

क. आंकड़ों को वेब पेजों के रूप में परिवर्तित करने की जिम्मेदारी सेवादाता की होगी.

ख. नाबार्ड वेबसाइट पर सम्पूर्ण सामग्री दो फार्मेटों में उपलब्ध कराई जाती है - एचटीएमएल और पीडीएफ. एक्सेल फार्मेट में भी आंकडे होस्ट करवाने होंगे. चित्र जेपीईजी अथवा अन्य फॉर्मेट में दिए जाएंगे. तालिकाएं तथा लेखांकन से संबंधित आंकड़े एमएस एक्सेल फार्मेट में रखे जाते हैं. सभी फार्मेटों में यह सामग्री नाबार्ड की वेबसाइट पर होस्ट की जाती है तथा उसके साथ ही उसी समय उसकी हार्ड कॉपी भी जारी की जाती है. डेटाबैंक से संबंधित खंडों के लिए नाबार्ड द्वारा एमएस वर्ड/ एमएस एक्सेल फार्मेट में भेजे गए दस्तावेज़ों को वांछित हेडर/ फुटर सम्मिलित करने के उपरांत होस्ट की जाए.

ग. वेब पेजों में केवल ऐसी क्लाइंट साइड स्क्रिप्टों का ही प्रयोग किया जाएगा जो सभी प्रमुख वेब ब्राउज़रों के अनुकूल हो.

घ. चयनित फील्डों पर आधारित क्वेरी रन करने और तालिकाएँ बनाने में सहायक डाटाबैंक की संरचना की जाए.

ङ. सेवादाता से यह अपेक्षित होगा कि वह पहले वर्तमान साइट को, उसकी संपूर्ण सामग्री और सॉफ्टवेयर को अपने पास ले ले तथा उसका प्रबंधन करे.

च. नाबार्ड की इंटरनेट वेबसाइट पर सभी रूपों में यथा टेक्स्ट, डाटा, ग्राफिकल, एनिमेशन, ऑडियो/ वीडियो आदि होस्ट की गई संपूर्ण सामग्री का स्वामित्व नाबार्ड के पास सुरक्षित रहेगा चाहे इस सामग्री को वेबसाइट पर होस्ट करने के लिए सेवादाता के स्वामित्व वाले सर्वर का इस्तेमाल ही क्यूं न किया गया हो. इसी प्रकार, नाबार्ड की इंटरनेट वेबसाइट पर सामग्री होस्ट करने के उद्देश्य के

लिए प्रयुक्त सॉफ्टवेयर के पूरे सोर्स कोड का स्वामित्व भी नाबार्ड के पास सुरक्षित रहेगा.

छ. यह वेबसाइट ऑफसाइट लोकेशन में विंडोज़ प्लैटफार्म पर स्क्रिप्टिंग लैंग्वेज के रूप में एएसपी.नेट और डेटाबेस के रूप में एसक्यूएल सर्वर की सहायता से चलती है.

ज. वेबपेज, एचटीएमएल फार्मेट में डिस्प्ले होते हैं तथा उनमें आवश्यकतानुसार विवरण दर्शाने हेतु लिंक जोड़ने की गुंजाइश रहती है.

झ. सभी फार्मेटों के लिए फार्मेटेड पेज सहित प्रिंट का विकल्प दिया जाता है.

3) <u>कुछ अपेक्षाएँ</u>

क. वेबसाइट को 24 घंटे, 7 दिन और वर्ष के 365 दिन उपलब्ध रहना होगा (24 x 7 x 365). वेबसाइट के लिए टॉलरेंस टू डाउन टाइम शून्य होगा. डेटाबेस और वेबसाइट की सुरक्षा और अखंडता की रक्षा किसी भी परिस्थिति में की जानी चाहिए.

ख. समयबद्धता, रुकावट रहित सेवा, बड़ी मात्रा, शीघ्र कार्रवाई और गोपनीयता नाबार्ड वेबसाइट की कुछ ऐसी अपेक्षाएँ हैं जिनसे कोई समझौता नहीं किया जा सकता. यूजर फ्रेंड्लीनेस नाबार्ड वेबसाइट की एक अन्य महत्वपूर्ण विशेषता है.

ग. जब होस्ट किए जाने वाले डेटा उपलब्ध सीमा से अधिक होंगे तो वेब पर अतिरिक्त होस्टिंग स्पेस को सेवादाता सुनिश्चित करेंगे. इस प्रयोजन के लिए सेवा दाता को वेब पर अपेक्षित स्पेस का आकलन काफी पहले से ही कर के रखना होगा.

घ. सेवादाता से यह अपेक्षित है कि वह वर्तमान वेबसाइट के प्रबंधन का कार्य 'जैसी है वैसी ही स्थिति' के आधार पर ले तथा नीचे दी जा रही सुविधाओं और कार्यप्रणालियों में एक निश्चित अवधि में सुधार लाए.

ङ. वेबसाइट की विशेषताओं में वृद्धि को एक नियमित प्रक्रिया के रूप में किया जाना चाहिए. उपलब्ध करवाई जाने वाली कार्यप्रणालियों, जिनमें न्यूनतम सुधार किए जाने वांछित हैं वे निम्नानुसार हैं:

1. साइट में शक्तिशाली सर्च इंजन होना चाहिए
2. नैविगेशन में सुधार होना चाहिए
3. ऑडियो/ वीडियो स्ट्रीमिंग
4. वेबसाइट सभी प्रमुख ब्राउजरों को सपोर्ट करे
5. द्विभाषी सामग्री में वृद्धि

ङ. वेबसाइट के पुनर्निर्माण में निम्नलिखित बिन्दु हो सकते हैं :

अ. सूचना के प्रसार के लिए एक्सबीआरएल/ आरएसस का उपयोग

आ. कोई अन्य सुझाव जो कार्यान्वयन योग्य हो.

4) <u>सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन</u>

पूर्व निर्धारित भारतीय व अंतराष्ट्रीय सर्च इंजनों के बीच चालू आधार पर सर्च इंजन ऑप्टिमाइजेशन. कंटेंट और मेटा इन्फॉर्मेशन, सर्च इंजनों का प्रस्तुतीकरण और डायरेक्ट्रियों को खोलना, कीवर्ड स्टेटस ट्रैक, कीवर्ड्स के लिए क्लिक उपलब्ध कराना, बैकवर्ड लिंकिंग. ऑप्टिमाइजेशन की इस प्रक्रिया के लिए अन्य बातों के अलावा सेवादाता नाबार्ड के संबंधित विभागों से समन्वयन करेंगे तथा उन विभागों के संबंधित खंडों में मूलभूत सूचनाओं को समाहित करेंगे. इसके पश्चात सभी कीवर्ड्स का विस्तृत मिलान संभव हो सकेगा तथा वर्तमान सामग्री से ही वेबसाइट को ऑप्टिमाइज किया जा सकता है.

5) <u>मासिक गतिविधि</u>

क. वेबसाइट विश्लेषण

ख. संस्तुति का आधार, लेखापरीक्षा और विश्लेषण, यदि हो

ग. सब्स्क्रिप्शप रिपोर्ट

घ. न्यूजलेटरों/ मेलरों का सृजन और उनका रखरखाव

ङ. मासिक आधार पर सीडी/ डीवीडी पर वेबसाइट का बैक-अप (सामग्री + डेटाबेस + सोर्स कोड) लेना.

च. नाबार्ड के साथ मासिक बैठक ताकि यदि कोई कठिनाइयाँ हों तो उन्हें दूर किया जा सके.

6) <u>अन्य</u>

क. पुरालेखित सूचना संसाधनों का ऑनलाइन लाइब्रेरी के रूप में रखरखाव

ख. ऑनलाइन पूछताछ प्रबंधन - विभिन्न हितधारकों, संभावित और वर्तमान ग्राहकों, मीडिया आदि द्वारा साइट पर माँगी गई जानकारियों का प्रत्युत्तर देना.

ग. ऑनलाइन संसाधन प्रबंधन - साइट के माध्यम से जनरेट हुए सभी ई-मेलों का टेम्प्लेटाइज़्ड कोलेटरल के माध्यम से ऑनलाइन प्रत्युत्तर देना.

घ. साइट उपयोग परामर्श

7) <u>बैक-अप और आपदा से बचाव</u>

क. साइट का बैक-अप - साइट की वर्किंग कॉपी (सामग्री + वेब पृष्ठ + सोर्स कोड सहित) नाबार्ड को निश्चित आवधिक अंतरालों में उपलब्ध करानी होगी.

ख. नाबार्ड अपनी वेबसाइट के लिए डिजास्टर रिकवरी और बिजनेस कंटीन्यूइटी योजना भी बनवाना चाहता है. इस योजना का दस्तावेजीकरण किया जाए और उसे अनुमोदन हेतु नाबार्ड को प्रस्तुत किया जाए.

8) <u>वेबसाइट की सुरक्षा और लेखापरीक्षा</u>

क. किसी भी प्रकार के हैकिंग आक्रमणों से वेबसाइट की सुरक्षा की जानी होगी.

ख. इसमें, आंतरिक कमजोरियों (इन-बिल्ट वल्नरेबिलिटीस) की जाँच के लिए स्वयं नाबार्ड द्वारा दी गई सामग्री की जाँच भी शामिल होगी.

ग. साइट की आवधिक रूप से, कम से कम वर्ष में एक बार उद्योग के मानक सूचना प्रणाली से लेखा परीक्षा करवाई जानी चाहिए तथा तत्संबंधी रिपोर्ट की एक प्रति नाबार्ड को प्रस्तुत की जानी चाहिए.

घ. नाबार्ड वेबसाइट की सुरक्षा लेखापरीक्षा की जिम्मेदारी अपने स्वयं के अधिकारियों अथवा किसी अन्य एजेंसी को सौंपेगा ताकि प्रयोग में लाए जा रहे सुरक्षात्मक उपायों की उपयुक्तता सुनिश्चित की जा सके. वेबसाइट प्रबंधक से यह अपेक्षित है कि वह नियुक्त उक्त व्यक्ति की नाबार्ड की साइट से संबंधित सभी आंकड़ों व प्रोग्रामों तक पहुंच उपलब्ध कराए. लेखापरीक्षा टीमों को तात्कालिक लॉग-इन सुविधा उपलब्ध करानी होगी ताकि लेखापरीक्षा टीम पूरी प्रणाली की सुरक्षा व्यवस्था की जाँच कर सके.

ङ. नाबार्ड द्वारा नियुक्त टीमों द्वारा बताई गई सुरक्षा प्रणाली की कमियाँ, यदि कोई हों, तो उन्हें न्यूनतम वांछित समय में ठीक करना होगा.

9) <u>समनुदेशन की अवधि</u>

प्रारंभिक समनुदेशन, अर्थात वेबसाइट के रखरखाव ठेके की अवधि 2 वर्ष के लिए होगी जिसकी प्रति वर्ष समीक्षा की जाएगी और वार्षिक आधार पर िइसे बढ़ाया जा सकेगा. तथापि, दोनो ही पक्षों के पास एक माह की नोटिस अथवा दोनो को मान्य अवधि की नोटिस देकर ठेके को समाप्त करने का विकल्प रहेगा.

10) <u>कौन आवदेन प्रस्तुत कर सकते हैं ?</u>

क. ऐसी कंपनियाँ वे आवेदन दे सकती हैं, जो यह साक्ष्य दे सकें कि वे वर्तमान में भारत में विधिमान्य निकाय के रूप में कार्य कर रही हैं तथा समान रूप में बड़ी

और आंकड़ोंन्मुख साइटों के प्रबंधन में उन्हें अच्छी प्रतिष्ठा प्राप्त है, तथा जिन्हें इस प्रकार की वेबसाइटों के रखरखाव में कम से कम पॉच वर्ष का अनुभव हो,. कंपनी को इंटरेक्टिव विशेषताओं सहित बड़ी वेबसाइटें होस्ट करने का अनुभव होना चाहिए तथा जिसने पिछले तीन वर्षों में अच्छे औसत टर्नोवर सहित लाभ अर्जित किया हुआ हो.

ख. निविदाकर्ता कंपनी को यह वचन देना होगा कि उनके विरूद्ध किसी भी कारण किसी भी प्रकार की कानूनी कार्रवाई नहीं चल रही है. यदि इस प्रकार की कोई कार्रवाई चल रही हो और निविदाकर्ता यह समझता है कि ऐसी किसी कार्रवाई से आरएफपी आवश्यकताओं को पूरा करने की उनकी क्षमता पर किसी भी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा, तो उसे उस कानूनी कार्रवाई/ कार्रवाइयों से संबंधित सभी विवरण प्रस्तुत करना होगा.

ग. निविदाकर्ता कंपनी को यह साक्ष्य भी देना होगा कि वह अन्य बड़े, राष्ट्रीय/ अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के लिए इस प्रकार के कार्य करती आ रही है. बैंकिंग संस्थाओं/ सरकारी एजेंसियों को ऐसी सेवाएँ उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को वरीयता दी जाएगी.

11) **<u>कैसे आवदेन प्रस्तुत करें ?</u>**

क. स्टाफ सदस्यों की संख्या, उनकी तकनीकी योग्यताओं सहित हमें अपनी कंपनी का पूरा प्रोफाइल भेजें. इसमें मेन सर्वर और मिरर सर्वर की भौतिक अवस्थिति, वेबसाइटें होस्ट करने वाले सर्वर का तकनीकी विवरण, उपलब्ध बैंडविड्त, सामग्री के प्रसार हेतु नाबार्ड और वेबसाइट प्रबंधक के बीच कनेक्टिविटी का तकनीकी विवरण, सुरक्षा नीति और वेबसाइटों के प्रबंधन में कंपनी द्वारा अपनाए जा रहे उपायों सहित संबंधित कोई अन्य विवरण भी दें जिन्हें आप समझते हैं कि नाबार्ड वेबसाइट का रखरखाव करने में आपकी योग्यता सिद्ध करने हेतु महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं.

ख. कृपया कम से कम तीन ऐसी सार्वजनिक वेबसाइटों के यूआरएल भी दें जिनका प्रबंधन आप द्वारा अपने ग्राहकों के लिए किया जा रहा है तथा जिनकी आपके विचार में गुणवत्तात्मकता, आंकड़ों की मात्रा और प्रतिष्ठा के आधार पर नाबार्ड की वेबसाइट से तुलना की जा सकती है.

ग. कृपया नाबार्ड की वर्तमान वेबसाइट की समीक्षा करते हुए एक संक्षिप्त आलेख प्रस्तुत करें और उसमें यह भी विवरण दें कि आप नाबार्ड की वेबसाइट की कल्पना किस रूप में करते हैं और उसमें सुधार करने के सुझाव भी दें.

घ. यह सिफारिश की जाती है कि एक बार नाबार्ड की वेबसाइट (www.nabard.org) को देखें ताकि इस दस्तावेज में दी गई आवश्यकताओं को ठीक तरह से समझा जा सके.

12) <u>बोली लगाने की प्रक्रिया - दो चरणों में</u>

क. वेंडर के चयन के लिए, दो चरणों में बोली लगाने की प्रक्रिया अपनाई जाएगी.

ख. इस कार्य में रुचि रखने वाली कंपनियाँ अपना प्रत्युत्तर दो भागों अर्थात् तकनीकी बोली और वित्तीय बोली, में प्रस्तुत करेंगे. ये दोनो दस्तावेज़, टेंडर के दो विशिष्ट और अलग-अलग भाग होंगे.

ग. 'तकनीकी बोली' में विस्तृत तकनीकी विवरण शामिल किया जाता है, जबकि 'वित्तीय बोली' में दरों से संबंधित सूचना शामिल की जाती है. तकनीकी बोली में दर संबंधी अथवा वित्तीय/ वाणिज्यिक सूचनाएँ कतई **न दी** जाएँ.

घ. पहले चरण में केवल तकनीकी बिलियों को ही खोला जाएगा और उनका मूल्यांकन किया जाएगा. नाबार्ड द्वारा निर्धारित इस कार्य की तकनीकी आवश्यकताओं तथा इस दस्तावेज़ में दी गई आवश्यकताओं/ विनिर्देशनों तथा निबंधन व शर्तों को पूरा करने वाली कंपनियों की संक्षिप्त सूची बनाई जाएगी.

ङ. द्वितीय चरण के अंतर्गत, केवल उन कंपनियों के वित्तीय बिलियाँ खोला जाएगा जिन्हें पूर्व में पहले चरण के अंतर्गत खोले गए तकनीकी बिलियाँ के मूल्यांकन के आधार पर शॉर्टलिस्ट किया गया था.

च. यदि आवश्यकता हो तो नाबार्ड, प्रस्तुत की गई तकनीकी/ वित्तीय बिलियाँ पर किसी भी प्रकार के स्पष्टीकरण/ अतिरिक्त विवरण माँग सकता है. विक्रेता को निर्धारित तारीख और समय के अंदर वांछित स्पष्टीकरण/ अतिरिक्त विवरण लिखित रूप में प्रस्तुत करना होगा. यदि माँगे गए स्पष्टीकरण/ अतिरिक्त विवरण निर्धारित समय और तारीख तक उसे प्रस्तुत नहीं किए जाते हैं तो बैंक अपने विवेक से किसी भी निविदाकर्ता की पेशकश को अस्वीकार कर सकता है,.

छ. अंतिम तारीख समाप्त होने तक किसी भी समय इस निविदा दस्तावेज में संशोधन जारी किए जा सकते हैं. निविदा जारी करने की तारीख से, निविदा दस्तावेज में किए गए सभी संशोधनों को इस निविदा का ही भाग समझा जाएगा.

ज. निविदाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत तकनीकी बिलियाँ के आधार पर संक्षिप्त सूची में शामिल किए गए निविदाकर्ताओं से उनके द्वारा दी गई विशेषताओं आदि के

मूल्यांकन हेतु उस संबंध में प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करने के लिए निविदाकर्ताओं को आमंत्रित करने का अधिकार नाबार्ड के पास सुरक्षित रहेगा.

झ. वित्तीय बोली में इस दस्तावेज द्वारा यथा परिकल्पित एंड-टू-एंड बेब होस्टिंग सेवाएँ उपलब्ध कराने हेतु उद्धरण दिए हाएं.

ञ. इस दस्तावेज में निर्धारित प्रारूप के अनुसरण में ही बोली प्रस्तुत किए जाएं.

ट. निविदाकर्ता कंपनियाँ निविदा की शर्तों से अपने आपको पूरी तरह से अवगत करा लें. सूचनाओं की कमी की किसी भी दलील को किसी भी समय स्वीकार नहीं किया जाएगा.

कृपया फार्म 'ए' (तकनीकी बोली) और फार्म 'बी' (वित्तीय बोली) में दिए गए प्रारूपों के अनुसार ही अलग-अलग मुहरबंद लिफाफों में अपनी निविदा प्रस्तुत करना सुनिश्चित करें.

13) <u>कहाँ भेजें ?</u>

इस कार्य को करने की अपनी पेशकश कृपया तकनीकी और वित्तीय बिलियाँ के साथ पूर्ण विवरण देते हुए अलग-अलग लिफाफों में रखें और उन लिफाफों पर ऊपर की ओर '**तकनीकी बोली**' और '**वित्तीय बोली**' लिखें व उन्हें श्री के.आर.नायर, महाप्रबंधक-जन संपर्क, सचिव विभाग, नाबार्ड, 8वीं मंजिल, बी-विंग, प्रधान कार्यालय, सी-24, जी-ब्लॉक, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (पूर्व), मुंबई - 400051 को इस तरह प्रेषित करें कि उकत टेंडर दिनांक 25 फरवरी 2010 को 16.00 बजे पहुंच जाए.

14) <u>बोली की विधिमान्यता की अवधि</u>

बिडें निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तारीख से तीन माह की अवधि तक विधिमान्य रहेंगीं.

15) <u>मूल्यांकन</u>

नाबार्ड उपर्युकत पैरा 12 में दी गई प्रक्रिया के अनुसार बिलियाँ का मूल्यांकन करेगा. मूल्यांकन के मानदंड निविदा दस्तावेज में दी गई आवश्यकताओं के आधार पर होंगे.

16) <u>बोली का स्वीकार किया जाना</u>

बोली को स्वीकार किए जाने की सूचना निविदाकर्ता कंपनी को उसके द्वारा इस टेंडर के प्रत्युत्तर में उपलब्ध कराए गए पते पर लिखित रूप में प्रेषित की जाएगी.

17) <u>संविदा पर हस्ताक्षर</u>

सफल निविदकर्ता से यह अपेक्षित है कि वह बोली प्रदान होने के तीस (30) दिनों के अंदर अथवा बोली दस्तावेज के आधार पर नाबार्ड द्वारा निर्धारित बढ़ाई गई अवधि के अंदर नाबार्ड के साथ संविदा पर हस्ताक्षर करे.

18) <u>बोली को स्वीकार अथवा अस्वीकार करने का नाबार्ड को अधिकार</u>

क. इस सूचना के प्रत्युत्तर में प्रस्तुत किसी भी अथवा सभी पेशकशों को बिना किसी कारण बताए स्वीकार/ अस्वीकार करने के सभी अधिकार नाबार्ड के पास सुरक्षित हैं.

ख. बैंक की आवश्यकताओं के अनुसार विक्रेताओं की संक्षिप्त सूची बनाने तथा निविदाकर्ताओं को उनकी अपनी ही लागत पर प्रेजेंटेशन प्रस्तुत करने अथवा मूल्यांकन समिति के समक्ष प्रस्तुत होने हेतु आमंत्रित करने के सभी अधिकार नाबार्ड के पास सुरक्षित हैं.

19) <u>नियंत्रक कानून और विवाद</u>

क. बोली और उसके परिणामस्वरूप निष्पादित होने वाली कोई भी संविदा भारतीय कानूनों के अनुसार शासित होगी और भारतीय कानूनों के अनुसार ही उसका अर्थ भी लगाया जाएगा.

ख. अर्थनिर्वचन, अर्थ संबंधी और परिचालन अथवा इसके प्रभाव से अथवा किन्हीं भी अधिकारों व देयताओं के उल्लंघनों के परिणाम स्वरूप दोनो पक्षों (अर्थात् नाबार्ड और विक्रेता) के बीच उठने वाले सभी विवादों अथवा मदभेदों को परस्पर सम्मति से निपटाया जाएगा. तथापि, यदि, उपर्युक्तानुसार पक्ष परस्पर सम्मति से समाधान नहीं ढूंढ पाते हैं, तो विवादों को मध्यस्थम और सुलह अधिनियम, 1996 के अनुसरण में मध्यस्थता के माध्यम से निपटाया जाएगा. उक्त के अनुसार दिए गए आदेश उपर्युक्त दोनो पक्षों के लिए बाध्यकारी होंगे. मध्यस्थ तर्कपूर्ण आदेश देगा/ देंगे. कोई भी अपील केवल मुंबई, भारत के न्यायालयों के क्षेत्राधिकार के ही अधीन होगी.

ग. नाबार्ड द्वारा लिखित रूप में अन्यथा निर्देश न दिए जाने पर अथवा कोई ऐसा मामला हो जिसके चलते संभवतः यथास्थिति मध्यस्थ अथवा निर्णायक का

निर्णय आने तक कार्य जारी रखना संभव न हो पा रहा हो, मध्यस्थता की कार्यवाही जारी रहने के दौरान भी विक्रेता ठेके के तहत कार्य करना जारी रखेगा.

घ. मध्यस्थता का स्थान मुंबई, भारत होगा.

<u>Form 'A'</u>

Format for submitting Technical Bid

{No financials to be mentioned in this}

Sl. No.	Particulars	Details
1.	Basic:	
	a) Company's Name	
	b) Date of Incorporation	
	c) Corporate Office Address	
	• Contact Person	
	• Phone No.(landline/Mobile)	
	• Fax No.	
	• Email address	
	• Contact person in Mumbai	
2.	Turnover:	
	• Turnover for last 3 years	
	a) Turnover of the company	
	b) Turnover of the website services	
	c) Profit from the website services	
	• Balance Sheet	Attach Audited Balance Sheet for last 3 years
3.	Technical:	
	Please provide details relevant only to website service a) No of Technical Staff (In India)	
	• Hardware Area	
	• Software Area	
	b) Service/Support facilities (in India)	
	• Support facility locations	Attach a list of locations
	• No of personnel per location	-do-
	- for Hardware	
	- for software	

4.	Project implementation experience in web hosting and maintenance:	
4.1	Project Name: I.	
	Project Location:	
	Client Name:	
	Number of concurrent visitors supported *(give maximum peak hits and average numbers)*	
	Client contact/reference person(s): Name Address – if different from above Telephone Facsimile Mobile Phone Email address	
4.2	Project Name: II.	
	Project Location:	
	Client Name:	
	Number of concurrent visitors supported *(give maximum peak hits and average numbers)*	
	Client contact/reference person(s): Name Address – if different from above Telephone Facsimile Mobile Phone Email address	
4.3	Project Name:	

	III.	
	Project Location:	
	Client Name:	
	Number of concurrent visitors supported *(give maximum peak hits and average numbers)*	
	Client contact/reference person(s): Name Address – if different from above Telephone Facsimile Mobile Phone Email address	
5.	Specific Technical Information: What would be the features and strategies adopted by the bidding company on the following: a) website management b) maintenance c) content management d) uptime/availability strategies (like Average Roundtrip Latency standards) e) security management f) back-up system g) disaster recovery and business continuity plan *{Multiple options can be given here. It has to be, however, ensured that complete details are given with recommendations for optimum solution which is cost effective and functional}*	
6.	(a) Proposal including timeframe to take over hosting of the website as it is at present. (b) Proposal including time frame to implement suggestions at 3 (f) "Some Requisites".	
7.	Other Information:	
	Conforming to privacy norms	Yes. Would abide by privacy norms and policy of NABARD

	a) What would be the source of contact between NABARD the team that hosts the web site and the mode of contact	
	b) What would be team size of technical professionals dedicated full time for this assignment ?	
	c) What would be the frequency in change of the team hosting web site that would normally interact with NABARD team	
	d) Briefly describe the hardware / server infrastructure setup on which the site would be hosted.	
	e) Briefly describe the connectivity infrastructure available at hosting location.	
	f) Please give any other information that you feel would be useful.	

Form ‘B’

Format for submitting Financial Bid

Sl. No.	Particulars	Amount (INR)
1	Name of the Company:	
2	Phase I a. One Time takeover of the website for hosting*. b. Annual Maintenance for present website.	
3	Phase II Revamping of website	
4	Annual maintenance charges for website a. No of years of free maintenance (warranty) b. Per year charges after warranty period	
5	Data Storage per MB per month#	
6	Change management@ per man day #	

* In case multiple options are offered (please see item no. 6 in format for Technical Bid), please give commercials for all the options separately in financial bid.

@ Please define what will be considered as change management.

Applicable for both Phase I and Phase II.